>

Title: Need to give compensation to the families of poor people who died after eating poisonous food in Bihar.

श्री जगदीश शर्मा (जहानाबाद): सभापति महोदय, मैं आज जिस विषय को उठा रहा हूं। यह बहुत ही दुखद, गंभीर और हृदय विदारक है। मैं बिहार राज्य के जहानाबाद संसदीय क्षेत्र से आता हूं। आप जानते हैं कि बिहार, यू.पी. और देश के कई हिस्सों में सत्तू एक बहुत ही पौष्टिक और सुरूचिपूर्ण आहार है। खासकर, जो गरीब और मजदूर तबके के लोग हैं, उनके लिए सत्तू एक प्रमुख आहार है। इसी महीने की चौदह तारीख को जहानाबाद शहर मुख्यालय में मजदूर वर्ग जो राजमिस्त्री का काम करते हैं, ठेला चलाने का काम करते हैं, टमटम चलाने का काम करते हैं या डेली वेजेज पर दूसरे काम करते हैं, उन लोगों ने सत्तू का सेवन किया। न जाने क्या ऐसा हुआ कि चार घंटों के अन्दर दस व्यक्तियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी और सात लोग बुरी तरह आकृंत हैं और वे पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्त्ती हैं।

जो मरने वाले हैं, वे दलित, महादलित परिवार के और अत्यंत पिछड़े वर्ग के, पिछड़े वर्ग के और अन्य जातियों के लोग हैं। जो मृतकों की सूची है, उसमें सांसद दास, पप्पू दास, त्रिभुवन दास तीनों जहानाबाद के धानाडिहरी गांव के हैं। वंशी राम, चन्धरिया गांव, जहानाबाद, साधु शरण साव, पिंजौर गांव, जहानाबाद, कृष्णा रजक, सिकरिया, जहानाबाद, कृष्णा यादव, सैदपुर गांव, जहानाबाद, विदेशी पासवान, उर्मा शर्मा पिताम्बरपुर, इत्यादि लोगों की मृत्यु हुई है।

MR. CHAIRMAN: Hon. Member, you please tell what do you want from the Central Government.

श्री जगदीश शर्मा: सभापति महोदय, यह बड़ी दुखद घटना है। मैं इसे व्यक्त नहीं करूंगा तो पीड़ित लोगों के परिवार और आश्रितों को धैर्य और संतोष नहीं मिलेगा। इसलिए मैं आपसे विशेष अनुरोध कर रहा हूं कि मुझे इस वाकिये का वर्णन करने के लिए चंद मिनटों का समय दिया जाए। मैं आपका बहुत आभारी रहूंगा। काको थाना के सैदपुर गांव के कृष्णा यादव, खालिसपुर गांव के विदेशी पासवान, पीताम्बरपुर गांव के उमा शर्मा, और जहानाबाद के कसई गांव के नथुनी साव - ये दस लोगों की मृत्यु हो चुकी है। सभी गरीब परिवार से आते हैं। सभी बिल्कुल मजदूर वर्ग के हैं।

महोदय, मैं आपके माध्यम से धन्यवाद देना चाहता हूं कि बिहार सरकार ने घटना की सूचना मिलते ही प्रत्येक परिवार को तत्काल दो-दो लाख रुपए का मुआवजा दिया। आपके माध्यम से केन्द्र सरकार और सदन का ध्यान इस विषय की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं। यूपीए-टू की सरकार गरीबों की, मजदूरों की बात करती है। हम आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से मांग करना चाहते हैं ंकि वे गरीब परिवार के लोग हैं।

MR. CHAIRMAN: You demand what support you want from the Central Government.

श्री जगदीश शर्मा: सभापति महोदय, मैं मांग करता हूं कि केन्द्र सरकार सभी मृतकों के परिवारों को पांच-पांच लाख रुपया मुआवजा दे। हमने इस संबंध में आज माननीय प्रधानमंत्री जी को एक पत्र भी लिखा है जिसमें पांच लाख रुपया मुआवजा और परिवार के आश्रितों को सरकारी नौकरी देने की मांग भी की है तथा आकृंत परिवारों को एक–एक लाख रूपये प्रदान किए जाएं।